ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

OM SHANTI GLOBLE FAMILY PLATINUM JUBILEE 75 BRAHMAKUMARIS 2011

वर्ष - 12 अंक - 20 जनवरी - II, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.00 रु.

'सनराईस पीस मिशन' अवार्ड से सम्मानित ब्रह्माकुमार गंगाधर

नागपुर। 'सनराईस पीस मिशन' के अध्यक्ष डॉ.गोविंदराम मुरारका ने कहा कि वर्तमान जीवन शैली में आध्यात्मिकता का समावेश करना बहुत ही आवश्यक है। आज जहां चारों ओर अनिश्चितता, भय व असुरक्षा के बादल मंडराते दिखाई पड़ रहे हैं। ओम शांति मीडिया पत्रिका में प्रकाशित सामग्री जीवन में सुकून पैदा करती है। उन्होंने कहा कि मैं इस पत्रिका का नियमित पाठक हूँ। इस पत्रिका को पढ़ने से मुझे अनेक प्रश्नों का हल मिल जाता है। साथ ही एक नया चिंतन, नये विचार उत्पन्न होने लगते हैं। इसमें प्रकाशित लेखों से उत्कृष्ट जीवन जीने के विचार मिलते हैं। वर्तमान समय चल रही भाग-दौड़ भरी जीवन की राहों में यह मानसिक धरातल में सकारात्मक उर्जा पैदा करने का संकल्प मिल जाता है। यह पत्रिका परिवार के सभी सदस्यों के लिए खुशियों की खुराक परोसती है। सम्बन्धों में समरसता, स्वमान तथा सम्मान जैसे मूल्यों को बढ़ावा देता है। इसमें कोई भी गलत बात लिखी नहीं होती है और न ही इसमें कोई अश्लील बात होती है और न ही किसी प्रकार का प्रचार होता है। लेकिन फिर भी इस पत्रिका की मांग बढ़ती जा रही है। यह एक शुद्ध संकल्प का पुंज लिये हुए है। जिसे पढ़ने पर जीवन जीने के तरीके, अंदाज में बदलाव आता है। देखने का नजरिया बदलता है व सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण होता है। जब मैं मीडिया पढ़ता हूँ तो विचारों एवं खुशी का स्पंदन महसूस होता है। मैंने मीडिया जगत में ऐसी उत्कृष्ट विचार की सामग्री और किसी भी पत्रिका में नहीं देखी। आध्यात्मिक लेख, रंगीन चित्रों से सुसज्जित यह मीडिया वास्तव में मन का भोजन है। जो मुझे लगता है कि सभी को इसकी जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू, ब्रह्माकुमारीज के मुख पृष्ठ यह समाचार कम पत्रिका जीवन में नया संचार उत्पन करता तथा देश-विदेश के ईश्वरीय सेवाओं का समाचार घर बैठे ही मिल जाता है। परमात्मा के इस धरा पर दिव्य कर्त्तव्यों के कार्य-कलाप मीडिया से ही प्राप्त होता है। मैंने इस पत्रिका से जीवन में सुकुन पाया, शांति व ऊर्जा प्राप्त करता रहा हूँ। इसलिए मैंने 2011 वर्ष में 'सनराईस पीस मिशन का अवार्ड' आध्यात्मिक सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए 'ओम शांति मीडिया' के संपादक ब्रह्माकुमार गंगाधर का चयन किया। इस पत्रिका में प्रकाशित लेख पढ़ने से मनोबल में वृद्धि होती है साथ ही व्यवहार में आने वाली कठिनाईयों का समाधान सहजता से निकालने में मदद मिलती है।

आध्यात्मिकता से ही सम्पूर्णता की मंजिल प्राप्त होगी

- स्वामी ओंकारानन्द सरस्वती

शंकराचार्य स्वामी ओंकारानन्द सरस्वती महाराज कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए। मंचासीन हैं दादी हृदयमोहिनी, ब्र.कु.डॉ.निर्मला तथा अन्य।

गुड़गांव। परमात्मा एक परम शक्ति है जिनके हाथों में हाथ देने से स्वत: ही कल्याण हो जाता है क्योंकि परमात्मा से हमारा एक जन्म का नहीं परंतु जन्म-जन्मांतर का रिश्ता है।

उक्त उद्‌गार विश्व कल्याण परिषद के अध्यक्ष जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी ओंकारानन्द सरस्वती महाराज ने ब्रह्माकुमारी संस्था के ओम शांति रिट्रीट सेंटर द्वारा की जा रही आध्यात्मिक सेवा के दस वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह ईश्वरीय परिवार अलौकिक सुख देने वाला है जो हमें किसी अन्य सम्बन्धों में नहीं मिल सकता है। अध्यात्म मानव को सच्ची राह दिखाता है जिस पर चलकर व्यक्ति सम्पूर्णता की मंजिल को प्राप्त कर देव-तुल्य बन जाता है।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि हमारा जीवन कमल के फूल की तरह होना चाहिए। जैसे कमल कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के प्रभाव से सदा मुक्त रहता है उसी प्रकार इस कलियुगी दुनिया में रहते हुए भी हमारा जीवन बुराईयों के प्रभाव से मुक्त होना चाहिए। इसका सबसे सहज तरीका है हम स्वयं को जाने और उस परम सत्ता ईश्वर को पहचाने जो हम सभी का रचयिता है। आत्माओं को याद करने से शक्ति प्राप्त नहीं हो सकती लेकिन परमात्मा की याद में रहने से आत्मा शक्तियों का पुंज बन जाती है। ईश्वरीय याद सुखमय जीवन का आधार है। जितनी याद उतना ही सुख व आनंद।

भारत सरकार के रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि भारत एक अध्यात्म प्रिय देश है, जहां से आध्यात्मिक ज्ञान की धारा प्रवाहित होकर पूरे विश्व को तृप्त करती है। भारत प्राचीन समय से ही अध्यात्म एवं शिक्षा का केंद्र रहा है। अध्यात्म मानव को एक अच्छा इंसान बनने की ओर प्रेरित करता है। शांति सिर्फ हमारे मन के लिए ही नहीं अपितु पूरे भूमण्डल के लिए आवश्यक है। हमें शांति तभी प्राप्त होगी जब हम स्वयं की सत्य पहचान को जानेंगे।

अखिल भारतीय महिला परिषद की अध्यक्षा बीना जैन ने कहा कि हम सभी का उद्देश्य ही है समाज की सेवा करना लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ का लक्ष्य है अध्यात्म द्वारा इसकी जड़ों तक पहुंचना।

ब्र.कु.डॉ.निर्मला ने कहा कि समझ को धारण करने की शक्ति योग से आती है। अच्छी बातों का ज्ञान होना ही पर्याप्त नहीं है उसकी सार्थकता तब है जब जीवन में प्रेक्टिकल रुप से कार्यरत हो। राजयोग ही एक ऐसी विधि है जिसके प्रतिदिन अभ्यास से हम सहज ही अपनी कमी-कमजोरियों को समाप्त कर श्रेष्ठ जीवन जी सकते हैं।

ओम शान्ति रिट्रीट सेंटर की संचालिका ब्र.कु.आशा ने ओआरसी परिसर में समाज के हर वर्ग के लोगों लिए निरंतर चल रहीं आध्यात्मिक एवं मानवीय सेवाओं को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम को दिल्ली मेट्रो कॉरपोरेशन के मंगू सिंह, प्योरिटी पत्रिका के सम्पादक ब्र.कु.बृजमोहन एवं ब्र.कु. शुक्ला ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु.उर्मिल एवं ब्र.कु.प्रीति ने किया।

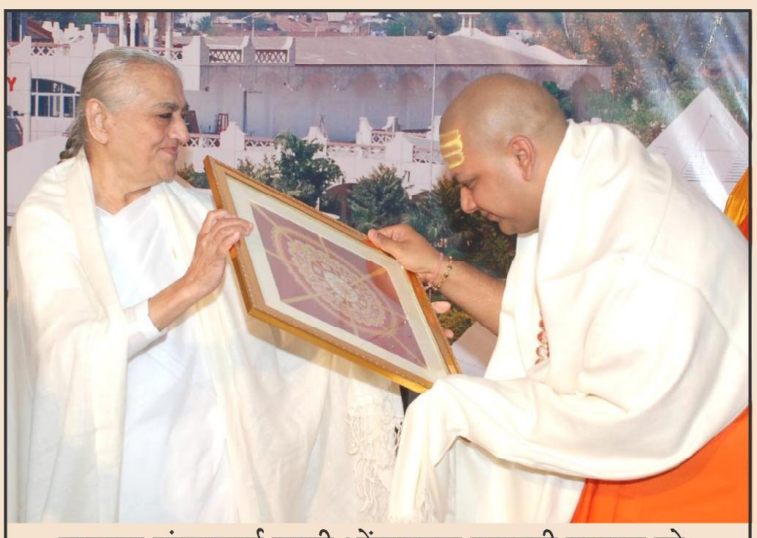

जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी ओंकारानन्द सरस्वती महाराज को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए दादी हृदयमोहिनी।